MAHAKAUSHAL UNIVERSITY, JABALPUR M.P.

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Syllabus

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject- Hindi

B.A. Yearly Examination

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY, JABALPUR

As per model syllabus of U.G.C. New Delhi, drafted by Central Board of Studies and Approved by Higher Education and the Governor M.P.

1st Year

Annually Syllabus Hindi

B.A. 1st Year

BHIN101 –T **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**

Unit 1: प्राचीन हिंदी काव्य

Topics:

1. प्राचीन काव्य की परिभाषा, स्वरूप और महत्व
2. महाकाव्य – रामायण, महाभारत का हिंदी रूपांतरण और योगदान
3. प्रमुख कवि और रचनाएँ
    - कालिदास, भवभूति
    - रघुवंश, कुमारसंभव का अध्ययन
4. प्राचीन काव्य में रस, अलंकार और छंद

References:

- "प्राचीन हिंदी काव्य परंपरा" – डॉ. रामानंद मिश्रा
- "हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास" – डॉ. मणिशंकर अय्यर

Unit 2: भक्ति काव्य

Topics:

1. भक्ति आंदोलन और साहित्यिक योगदान
2. प्रमुख संत कवि
    - कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई
3. भक्ति काव्य में भाव, रस और सामाजिक संदेश
4. भक्ति काव्य का शैलीगत और भाषागत अध्ययन

References:

- "भक्ति आंदोलन और हिंदी काव्य" – डॉ. मणिशंकर अय्यर
- चयनित पद: *रामचरितमानस (तुलसीदास), सूरसागर, कबीर की पदावली*

Unit 3: वीर और रीतिकाव्य

Topics:

1. वीर रस काव्य – वीरगाथाएँ और वीरों का चित्रण
2. रीतिकाव्य – ब्रजभाषा का साहित्य
3. प्रमुख कवि
    - बिहारी, देव, जसराज
4. काव्यशास्त्रीय दृष्टि से रीतिकाव्य का अध्ययन

References:

- "रीतिकालीन हिंदी काव्य" – डॉ. रामानंद मिश्रा
- "भक्ति एवं रीतिकालीन कविता" – डॉ. मणिकांत शर्मा

Unit 4: काव्यशास्त्र और अलंकार

Topics:

1. काव्यशास्त्र का परिचय – रस, अलंकार, छंद
2. अचूक और भेदपूर्ण अलंकारों का अध्ययन
3. काव्यशास्त्रीय ग्रंथ
    - *काव्यलक्ष्मी, साहित्यदर्पण, अलंकारसार*
4. प्राचीन और मध्यकालीन काव्य में अलंकार और रस का प्रयोग

References:

- "हिंदी काव्यशास्त्र" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- "काव्यतत्व और रसालंकार" – डॉ. रामसुख

Unit 5: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का समाज और संस्कृति में योगदान

Topics:

1. सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक प्रभाव
2. साहित्यिक परंपरा और शिक्षा में योगदान

3. प्राचीन और मध्यकालीन काव्य की आधुनिक समीक्षा
4. काव्य की आलोचना और तुलना

References:

- "हिंदी साहित्य का इतिहास" – डॉ. रामसुख
- "प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य पर दृष्टि" – डॉ. मणिकांत शर्मा

BHIN102 –T **हिंदी कथा साहित्य**

Unit 1: हिंदी कथा साहित्य

Topics:

1. **कथा साहित्य का परिचय** – कथा साहित्य की परिभाषा, उद्देश्य और महत्व
2. **कथा साहित्य का इतिहास** – प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक हिंदी कथा
3. **प्रमुख कथाकार और उनके योगदान**
    - मुंशी प्रेमचंद – ग्रामीण जीवन और सामाजिक आलोचना
    - शिवानी – नारी जीवन और सामाजिक संघर्ष
    - राजेन्द्र यादव – आधुनिक यथार्थवाद
    - प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यास: **गोदान, निर्मला**
    - आधुनिक कहानियाँ: **'तमस' – भीष्म साहनी**
4. **कथा साहित्य के प्रकार और प्रवृत्तियाँ** – लोककथा, सामाजिक कथा, यथार्थवादी कथा

References:

- "हिंदी कथा साहित्य का इतिहास" – डॉ. श्याम सुंदर शर्मा
- मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ (चयनित)
- आधुनिक कथा संग्रह (शिवानी, राजेन्द्र यादव)

Unit 2: हिंदी कविता

Topics:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – भक्ति और रीतिकाव्य
2. आधुनिक कविता – छायावाद, प्रगतिशील काव्य
3. प्रमुख कवि और उनके काव्य संग्रह

References:

- "आधुनिक हिंदी काव्य" – डॉ. नागार्जुन
- संत कवियों और छायावादी कवियों के चयनित पद

Unit 3: हिंदी गद्य

Topics:

1. निबंध – आलोचनात्मक और सामाजिक निबंध
2. संस्मरण और आत्मकथा
3. आलोचना और निबंधकार

References:

- "हिंदी गद्य परिचय" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- चयनित निबंध और आलोचनात्मक लेख

Unit 4: हिंदी नाटक

Topics:

1. प्राचीन और मध्यकालीन नाटक – कालिदास, भवभूति
2. आधुनिक नाटक – मोहन राकेश, मृदुला गर्ग
3. नाटक में सामाजिक और राजनीतिक विषय

References:

- "हिंदी नाटक और रंगमंच" – डॉ. रामकुमार चौधरी
- चयनित नाटक

Unit 5: हिंदी साहित्य में आलोचना और प्रवृत्तियाँ

Topics:

1. छायावाद, प्रयोगवाद, यथार्थवाद
2. हिंदी साहित्य में आलोचनात्मक दृष्टिकोण
3. साहित्य और समाज का संबंध

References:

- "हिंदी साहित्य का इतिहास" – डॉ. रामसुख
- "साहित्यिक आलोचना की पद्धतियाँ" – डॉ. मणिकांत शर्मा

2nd Year

BHIN201 –T Arvachin Hindi Kavya

Unit 1: छायावाद (Chhayavad)

Topics:

1. छायावाद का परिचय – समय, पृष्ठभूमि और विशेषताएँ
2. प्रमुख छायावादी कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर'
3. छायावादी काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ – प्रेम, प्रकृति, विरह, राष्ट्रीय चेतना
4. प्रमुख रचनाएँ और काव्य विश्लेषण

References:

- "आधुनिक हिंदी काव्य" – डॉ. नागार्जुन
- "छायावादी कविता का इतिहास" – डॉ. मणिशंकर अय्यर
- चयनित काव्य संग्रह: **कामायनी (जयशंकर प्रसाद), नदी के द्वीप (सुमित्रानंदन पंत)**

Unit 2: प्रतिकाव्य और राष्ट्रीय चेतना

Topics:

1. राष्ट्रकाव्य और वीरकाव्य – रामधारी सिंह 'दिनकर', अज्ञेय
2. यथार्थ और सामाजिक काव्य – प्रगतिशील लेखक संघ से प्रभावित कवि
3. कविता में मानवीय संघर्ष और समाज के मुद्दे

References:

- "प्रगतिशील आंदोलन और हिंदी कविता" – डॉ. रामसुख
- चयनित रचनाएँ: **रस, विरह, स्वतंत्रता और समाज**

Unit 3: प्रयोगवाद और आधुनिक यथार्थवाद

Topics:

1. प्रयोगवाद का उदय – समय, विशेषताएँ और उद्देश्य
2. प्रमुख कवि – अज्ञेय, मंगेश पाण्डे
3. प्रयोगवादी काव्य में नया दृष्टिकोण और शिल्प
4. आधुनिक काव्य की तकनीक और भाषा

References:

- "आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- प्रमुख कवियों के चयनित काव्य संग्रह

Unit 4: उत्तर-छायावाद और नई प्रवृत्तियाँ

Topics:

1. उत्तर-छायावाद – विशेषताएँ और प्रमुख कवि
2. आधुनिक कविता में भावनात्मक और बौद्धिक संघर्ष
3. नई कविताओं में सामाजिक और राजनैतिक विमर्श

References:

- "हिंदी कविता: उत्तर-छायावाद और उसके बाद" – डॉ. रामकुमार चौधरी
- प्रमुख कवि: गिरिजाकुमार माथुर, नागार्जुन, रघुवीर सहाय

Unit 5: समकालीन हिंदी काव्य और आलोचना

Topics:

1. समकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ – राष्ट्रकाव्य, महिला-काव्य, दलित काव्य
2. काव्य आलोचना – आधुनिक दृष्टिकोण, साहित्यिक विमर्श
3. प्रमुख समकालीन कवियों और रचनाओं का अध्ययन

References:

- "आधुनिक और समकालीन हिंदी कविता" – डॉ. मणिकांत शर्मा
- चयनित रचनाएँ: **अतुल प्रताप, कुमार विश्वास, डॉ. रामकुमार चौधरी**

BHIN202 –T **हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास avam काव्य विवेचना**

Unit 1: हिंदी भाषा का इतिहास

Topics:

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
    - अपभ्रंश, प्राकृत, संस्कृत से हिंदी तक
2. हिंदी की विभिन्न बोलियाँ और उनके साहित्यिक योगदान
    - खड़ीबोली, अवधी, ब्रजभाषा, भोजपुरी

3. हिंदी भाषा का साहित्यिक रूपांतरण
    - प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक साहित्य

References:

- "हिंदी भाषा का इतिहास" – डॉ. मणिशंकर अय्यर
- "हिंदी साहित्य का इतिहास" – डॉ. रामसुख
- "हिंदी भाषा और साहित्य" – डॉ. नागार्जुन

Unit 2: प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य

Topics:

1. प्राचीन कविता और महाकाव्य
    - रामायण, महाभारत, रघुवंश, नरसिंहचरित
2. भक्ति काव्य
    - संत कबीर, सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास
3. वीर, रीतिकालीन काव्य
    - बिहारी, जसराज, रहीम

References:

- "प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य" – डॉ. रामानंद मिश्रा
- "भक्ति आंदोलन और हिंदी काव्य" – डॉ. मणिशंकर अय्यर

Unit 3: आधुनिक हिंदी काव्य

Topics:

1. छायावाद
    - जयशंकर प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पंत
2. प्रगतिशील आंदोलन और सामाजिक चेतना
    - अज्ञेय, रामधारी सिंह दिनकर, निराला
3. प्रयोगवाद और यथार्थवादी कविता
    - नई तकनीक, भाषा और शैली में प्रयोग

References:

- "आधुनिक हिंदी कविता" – डॉ. नागार्जुन
- चयनित काव्य संग्रह: **कामायनी, प्रभा, नवीन काव्य संग्रह**

Unit 4: काव्य विवेचना

Topics:

1. काव्य के तत्व और स्वरूप
    - रस, अलंकार, छंद, ध्वनि
2. प्राचीन एवं आधुनिक काव्यशास्त्र
    - रस, ध्वनि, रूपक और अलंकार
3. प्रमुख आलोचना पद्धतियाँ
    - तुलनात्मक, भावात्मक, यथार्थवादी, संरचनात्मक

References:

- "काव्य विवेचना" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- "हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास" – डॉ. मणिकांत शर्मा

Unit 5: हिंदी साहित्य में प्रवृत्तियाँ और आलोचना

Topics:

1. प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
    - छायावाद, प्रयोगवाद, यथार्थवाद, उत्तर-छायावाद
2. समकालीन आलोचना
    - स्त्री विमर्श, दलित साहित्य, सामाजिक एवं राजनीतिक विमर्श
3. हिंदी साहित्य का समाज और संस्कृति में योगदान

References:

- "हिंदी साहित्य का इतिहास" – डॉ. रामसुख
- "साहित्यिक आलोचना की पद्धतियाँ" – डॉ. मणिकांत शर्मा
- चयनित समकालीन आलोचनात्मक लेख

3rd Year

BHIN301 –T **प्रयोजनमूलक हिंदी**

Unit 1: प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय

Topics:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा और महत्व
2. हिंदी भाषा का सामाजिक, प्रशासनिक और शैक्षिक प्रयोग
3. औपचारिक और अनौपचारिक हिंदी
4. आधुनिक युग में हिंदी का व्यावहारिक उपयोग

References:

- "प्रयोजनमूलक हिंदी" – डॉ. मणिशंकर अय्यर
- "हिंदी भाषा और उसका व्यवहार" – डॉ. रामसुख

Unit 2: हिंदी पत्र लेखन

Topics:

1. औपचारिक पत्र और अनौपचारिक पत्र
2. आवेदन, शिकायत, सूचना और पत्राचार के नियम
3. सरकारी और व्यावसायिक पत्र लेखन
4. पत्र में भाषा, शैली और शुद्धता

References:

- "हिंदी पत्र लेखन और व्यावहारिक उपयोग" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- "व्यावसायिक हिंदी" – डॉ. रामकुमार चौधरी

Unit 3: हिंदी निबंध एवं रिपोर्ट लेखन

Topics:

1. प्रयोजनमूलक निबंध लेखन – सूचना, आलोचना, अनुभव
2. रिपोर्ट लेखन – शैक्षिक, सामाजिक और प्रशासनिक

3. व्यावहारिक निबंध में भाषा, शैली और संक्षिप्तता

References:

- "हिंदी निबंध और रचनात्मक लेखन" – डॉ. नागार्जुन
- चयनित व्यावहारिक निबंध संग्रह

Unit 4: हिंदी अनुवाद और संवाद लेखन

Topics:

1. हिंदी-इंग्लिश एवं अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद के सिद्धांत
2. तकनीकी, प्रशासनिक और साहित्यिक अनुवाद
3. संवाद लेखन – रिपोर्ट, स्क्रिप्ट, मीडिया संवाद

References:

- "हिंदी अनुवाद विज्ञान" – डॉ. मणिकांत शर्मा
- "प्रयोजनमूलक हिंदी लेखन" – डॉ. रामसुख

Unit 5: हिंदी में आधुनिक व्यावहारिक लेखन

Topics:

1. विज्ञापन, सन्देश, घोषणा और सूचना पत्र
2. आधिकारिक कार्य, विज्ञापन और मीडिया में प्रयोजनमूलक हिंदी
3. आधुनिक हिंदी में संचार की विशेषताएँ
4. व्यावहारिक हिंदी के नियम और शैली

References:

- "व्यावहारिक हिंदी और प्रशासनिक उपयोग" – डॉ. रामकुमार चौधरी
- "हिंदी भाषा के प्रयोजन और शैली" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा

BHIN302 –T

Unit 1: हिंदी नाटक (Hindi Natak)

Topics:

1. नाटक का परिचय और प्रकार – प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक
2. प्रमुख नाटककार और उनकी रचनाएँ
    - कालिदास: *अभिज्ञान शाकुंतलम्*
    - भवभूति: *उत्तररामचरित*
    - मोहन राकेश: *आषाढ़ का एक दिन*
    - मृदुला गर्ग: चयनित आधुनिक नाटक
3. नाटक में पात्र, संवाद और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ
4. नाटक के तत्व: कथा, समय, स्थान, शैली

References:

- "हिंदी नाटक और रंगमंच" – डॉ. रामकुमार चौधरी
- "आधुनिक हिंदी नाटक" – डॉ. मणिकांत शर्मा

Unit 2: हिंदी निबंध (Hindi Nibandh)

Topics:

1. निबंध की परिभाषा, प्रकार और उद्देश्य
    - व्यावहारिक निबंध
    - आलोचनात्मक निबंध

    - साहित्यिक निबंध
2. प्रमुख निबंधकार
    - मुंशी प्रेमचंद, रायचंद भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल
3. निबंध लेखन की तकनीक और शैली

References:

- "हिंदी निबंध परंपरा" – डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा
- चयनित निबंध संग्रह: *साहित्य और समाज, आलोचनात्मक निबंध*

Unit 3: स्पष्ट गद्य विधा (Sphut Gadya Vidha)

Topics:

1. स्पष्ट गद्य का अर्थ और महत्व
2. स्पष्ट गद्य और अन्य गद्य शैलियों का अंतर
3. प्रमुख लेखक और उनकी रचनाएँ
    - प्रेमचंद, रायचंद भट्ट, हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. स्पष्ट गद्य में शैली, भाषा, संरचना और संक्षिप्तता

References:

- "हिंदी गद्य साहित्य" – डॉ. रामसुख
- "स्फुट गद्य का इतिहास और अध्ययन" – डॉ. मणिकांत शर्मा

Unit 4: बुंदेली भाषा (Bundeli Bhasha)

Topics:

1. बुंदेली भाषा का परिचय, इतिहास और क्षेत्रीय महत्व
2. बुंदेली लोककथा, लोकगीत और काव्य परंपरा
3. बुंदेली में साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान
4. बुंदेली और हिंदी का संबंध

References:

- "बुंदेली भाषा और साहित्य" – डॉ. रामानंद मिश्रा
- "लोक साहित्य और बुंदेली" – डॉ. हरिसिंह यादव

Unit 5: हिंदी साहित्य में व्यावहारिक दृष्टिकोण

Topics:

1. नाटक, निबंध और स्पष्ट गद्य का समाज और संस्कृति में योगदान
2. साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और उनका प्रशासनिक/शैक्षिक उपयोग
3. क्षेत्रीय भाषाओं (जैसे बुंदेली) का हिंदी साहित्य में स्थान
4. समकालीन दृष्टिकोण और आलोचना

References:

- "हिंदी साहित्य का इतिहास" – डॉ. रामसुख
- "हिंदी साहित्य में नाटक, निबंध एवं गद्य" – डॉ. मणिकांत शर्मा